

स्तरित उत्खनन पुं. (तत्.) भूमि के विविध स्तरों को क्रमशः खोदने का काम।

स्तरिया पुं. (तत्.) पलंग, शय्या।

स्तरी स्त्री. (तत्.) 1. धूआँ, धूम 2. ऐसी गाय जो दूध न दे रही हो।

स्तरीकरण पुं. (तत्.) 1. अनेक स्तर/परतें/तहें बनाना, परतदार बनाना 2. धातु की पीटकर पत्तर या वर्क बनाना 3. परत पर परत जोड़कर कोई वस्तु बनाना 4. प्रतिपादित विषयों में अनेक विचार-स्तरों का मिश्रण।

स्तरीय वि. (तत्.) 1. किसी नियत स्तर से संबंधित, नियत स्तर का 2. सामाजिक दृष्टि से जो घटिया न हो, अच्छा, बढ़िया।

स्तर्य वि. (तत्.) स्तरणीय।

स्तव पुं. (तत्.) 1. प्रशंसा, स्तुति 2. प्रार्थना 3. स्तोत्र।

स्तवक पुं. (तत्.) 1. फूलों का गुच्छा, पुष्प गुच्छ 2. विविध प्रकार के फूलों का गुलदस्ता 3. समूह, समुदाय, राशि 4. पुस्तक का परिच्छेद या अध्याय 5. स्तुति या स्तोत्र वि. स्तुति करने वाला या स्त्रोत पढ़ने वाला।

स्तवकित वि. (तत्.) फूलों के गुच्छों, गुलदस्तों, फूल मालाओं आदि से युक्त या सजा हुआ।

स्तवन पुं. (तत्.) 1. स्तुति करने की क्रिया या भाव, स्तुति करना 2. स्तुति 3. प्रशंसा।

स्तवनीय वि. (तत्.) 1. स्तवन के योग्य 2. जिसकी स्तुति की जाने वाली हो।

स्तव्य वि. (तत्.) स्तवनीय।

स्तान पुं. (तत्.) एक स्थान वाचक शब्द जो कुछ जातियों, पदार्थों आदि के नामों के अंत में लगाकर उनके रहने या होने के स्थान का अर्थ देता है।

स्तावक वि. (तत्.) 1. स्तव या स्तुति करने वाला, गुण-कीर्तन करने वाला, प्रशंसक 2. खुशामद करने वाला पुं. बंदीजन, भाट।

स्ताव्य वि. (तत्.) स्तव के योग्य, स्तुत्य।

स्तिमित वि. (तत्.) 1. भीगा हुआ, तर, नम, आर्द्र 2. निश्चल, स्थिर 3. शांत 4. प्रसन्न 5. संतुष्ट।

स्तीर्ण वि. (तत्.) 1. फैलाया/बिखेरा/छितराया हुआ 2. फैला हुआ 3. विस्तीर्ण, विस्तृत, लंबा-चौड़ा।

स्तुत वि. (तत्.) 1. जिसकी स्तुति की गई हो 2. जिसकी प्रशंसा की गई हो, प्रशंसित।

स्तुति स्त्री. (तत्.) 1. पूजा के भाव से किसी देवी-देवता या परमात्मा आदि के गुणों का वर्णन 2. वह कविता या पद आदि जिसमें किसी देवी-देवता या परमात्मा का गुणगान हो 3. यशोगान।

स्तुतिपाठक पुं. (तत्.) बंदीजन, भाट।

स्तुतिवाक्य पुं. (तत्.) विहित कर्म का अच्छा फल बताकर उसकी प्रशंसा करने वाला वाक्य जैसे- 'इस यज्ञ को करने से देवों ने जय प्राप्त की,' स्तुतिवाक्य है।

स्तुतिवाद पुं. (तत्.) प्रशंसात्मक वचन, गुण-कीर्तन, गुणगान, यशोगान।

स्तुतिवादक पुं. (तत्.) 1. स्तुति या प्रशंसा करने वाला, प्रशंसक 2. खुशामदी।

स्तुतिवादी वि. (तत्.) 1. प्रशंसक 2. चाटुकार, खुशामदी, चापलूस।

स्तुत्य वि. (तत्.) 1. स्तुति के योग्य 2. प्रशंसनीय, सराहनीय, श्लाघ्य 3. जिसकी प्रशंसा या स्तुति की जाने वाली हो।

स्तुभ पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार की अग्नि 2. बकरा।

स्तूप पुं. (तत्.) 1. मिट्टी, पत्थर आदि का ऊँचा टीला 2. ऊँचा ढेर 3. उलटे कटोरे के आकार की या अर्धगोलाकार रचना विशेष 4. वह दूह या टीला जो महात्मा बुद्ध या किसी बौद्ध परमात्मा के केश, दाँत या अस्थि आदि के स्मृति-चिह्नों को सुरक्षित रखने के लिए उनके ऊपर उल्टे